आज रंग बरसाने, बरसाने आयो नटवर नंद किशोर (रसिया)

आज रंग बरसाने, बरसाने आयो नटवर नंद किशोर(रसिया)

आज रंग बरसाने बरसाने, आयो नटवर नंदकिशोर।
नटवर नंद किशोर किशनीयां, रस-लम्पट रसभौर॥

ग्वाल बाल का लेकर टोला।
रंग रंगों का भर कर झोला॥
हल्ला-गुल्ला कर कर सजनी,
खूब मचायो शोर-आज...

गोपिन छीन लियो पिचकारी।
नर से आज बनायो नारी॥
मुंह छुपाता फिरे सांवरा,
जैसे भागत चोर - आज...

घुघट में कान्हां शरमावे ।
छोड़ो छोड़ो तरले पावे॥
“मधुप” हरि को आज नचायो,
जैसे नाचत मोर-आज...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **‘मधुप’** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33321/title/aaj-rang-barsane-barsane-aayo-natvar-nandkishor-rasiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |